Roll No. ...............................

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

# M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8899

# HINDI

## (भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन)

(Core)

**Paper : MHIN–301**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट** :- निर्देशानुसार दोनों खण्डों के उत्तर दीजिए।

### खण्ड–अ

### (आलोचनात्मक प्रश्न)

**नोट** :- निम्नलिखित **चारों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मम्मट द्वारा प्रस्तुत काव्य-प्रयोजनों की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

रसानुभूति के प्रसंग में सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

2. अलंकार सिद्धान्त की प्रमुख मान्यताओं का परिचय दीजिए।

अथवा

काव्य में गुणों एवं रीतियों के समन्वय पर प्रकाश डालिए।

3. भिन्न-भिन्न आचार्यों द्वारा प्रस्तुत वक्रोक्ति के भेदों का विवेचन कीजिए।

अथवा

औचित्य से क्या तात्पर्य है ? काव्य में औचित्य के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

4. शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

अथवा

नन्द दुलारे वाजपेयी की आलोचना-पद्धति पर प्रकाश डालिए।

15×4=60[20×4=80]

## खण्ड–आ

### (अति लघूत्तरीय प्रश्न)

**नोट :-** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5. (i) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' का आशय बताइए।

(ii) काव्य हेतुओं में अभ्यास का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(iii) भारतीय आचार्यों द्वारा प्रस्तुत महाकाव्य के किन्हीं **दो** लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

(iv) यमक अलंकार का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(v) सादृश्यमूलक अलंकार किसे कहते हैं ?

(vi) रीति और शैली का सम्बन्ध बताइए।

(vii) वक्रोक्ति सम्प्रदाय का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

(viii) आचार्य आनन्दवर्धन के अनुसार ध्वनि को परिभाषित कीजिए।

(ix) उत्तम काव्य किसे माना जाता है ? बताइए।

(x) अच्छे आलोचक के किन्हीं **दो** गुणों का उल्लेख कीजिए।

(xi) रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना-परम्परा को आगे बढ़ाने वाले **दो** आलोचकों के नाम बताइए।

(xii) नामवर सिंह की **दो** आलोचनात्मक पुस्तकों के नाम लिखिए।

2×10=20[2×10=20]

Roll No. ....................................

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

# M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8900

# HINDI

## (अनुवाद : विज्ञान)

(Core)

**Paper : MHIN-302**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : {Regular : 80, Private : 100}**

---

**नोट :-** निम्नलिखित खण्डों में से किन्हीं **चार** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खण्ड में से **एक** प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।

### खण्ड–अ

1. अनुवाद को पारिभाषित करते हुए उसके स्वरूप को बताइए।

**अथवा**

अनुवाद में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी उपकरण कौन-कौन से हैं ? स्पष्ट कीजिए।

## खण्ड–ब

2. अनुवाद की प्रविधि को विस्तार से बताइए।

**अथवा**

अनुवाद की अर्थ सम्प्रेषण प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं ? चर्चा कीजिए।

## खण्ड–स

3. अनुवाद के विभिन्न प्रकारों को विस्तार से बताइए।

**अथवा**

छायानुवाद किसे कहते हैं ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

## खण्ड–द

4. अनुवाद में सम्पादन की क्या भूमिका है ? वर्णन कीजिए।

**अथवा**

अनुवाद की समस्याओं पर विस्तार से विचार कीजिए।

15×4=60[20×4=80]

**नोट :-** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5. (i) अनुवाद में लक्ष्य भाषा किसे कहते हैं ?

 (ii) अनुवादक के दो विशिष्ट गुणों को बताइए।

(iii) अनुवाद की प्रक्रिया को संक्षेप में बताइए।

(iv) अनुवाद में पुनर्गठन का क्या महत्व है ?

(v) साहित्यिक अनुवाद को संक्षेप में बताइए।

(vi) लिप्यंतरण किसे कहते हैं ?

(vii) आशु अनुवाद किसे कहते हैं ?

(viii) अनुवाद की प्रासांगिकता की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(ix) शीर्षक के अनुवाद पर आपका क्या विचार है ? बताइए।

(x) अनुवाद कला है या विज्ञान, अपनी राय संक्षेप में बताइए।

(xi) अनुवाद में पुनरीक्षण के महत्व को संक्षेप में बताइए।

(xii) एकभाषिक कोश क्या है ? संक्षेप में बताइए।

2×10=20[2×10=20]

Roll No. ................................

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 4

(2064)

# M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8901

# HINDI

## (छायावादी काव्य)

(Core)

**Paper : MHIN-303**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट :-** रेगुलर एवं पत्राचार के विद्यार्थियों के लिए अंक विभाजन इस प्रकार है। व्याख्या-4×7=28, आलोचनात्मक प्रश्न-4×10=40, अति लघु उत्तरीय प्रश्न-6×2=12। प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए व्याख्या-4×9=36, आलोचनात्मक प्रश्न-4×13=52, अति लघु उत्तरीय प्रश्न-6×2=12।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) कर रही लीलामय आनंद-महाचिति सजग हुई सी व्यक्त।
विश्व का उन्मीलन अभिराम-इसी में सब होते अनुरक्त॥

**अथवा**

समरस थे जड़ या चेतन, सुन्दर साकार बना था,
चेतनता एक विलसती आनंद आखण्ड घना था।

(ii) छोड़ द्रुमों की मृदु छाया। तोड़ प्रकृति से भी माया,
बाले ! तेरे बाल जाल में कैसे उलझा दूँ लोचन ?
भूल अभी से इस जग को !

**अथवा**

ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार, उर में आलोकित शत विचार।
इस धारा सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।

(iii) चरणों से चिह्नित अलिन्द की भूमि सुनहली,
प्रणत शिरों के अंक लिए चन्दन की दहली,
झरे सुमन बिखरे अक्षत सित
धूप-अर्घ्य-नैवेद्य अपरिमित,
तम में सब होंगे अन्तर्हित,
सबकी अर्चित कथा इसी लौ में पलने दो।

**अथवा**

नयन में जिसके जलद वह तृषित चातक हूँ।
शलभ जिसके प्राण में वह निठुर दीपक हूँ,

फूल को उर में छिपाये विकल बुलबुल हूँ,
एक होकर दूर तन से छाँह वह चल हूँ,
दूर तुमसे हूँ अखण्ड सुहागिनी भी हूँ।

(iv) वह एक ओर मन रहा राम का जो न थका,
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय,
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत-गति हतचेतन,
राम में जगी स्मृति, हुए सजग पा भाव प्रमन।

**अथवा**

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) "कामायनी मानवता के विकास का महाकाव्य है।" इस कथन के आलोक में कामायनी का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

कामायनी के रूपक तत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) महादेवी के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

महादेवी के रहस्यवाद को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) सुमित्रानंदन पंत की काव्यकला पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'सुमित्रानंदन पंत के काव्य के क्रमिक विकास'–पर एक सारगर्भित आलेख लिखिए।

(घ) निराला के काव्य की वैचारिक दृष्टि की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

छायावादी काव्यधारा में निराला का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **छह** के उत्तर दीजिए :

(i) 'कामायनी' का प्रतिपाद्य क्या है ?

(ii) 'कामायनी' के आनन्द सर्ग का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(iii) 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(iv) 'सरोज स्मृति' की संवेदना और शिल्प पर टिप्पणी लिखिए।

(v) 'परिवर्तन' कविता का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(vi) 'नौकाविहार' कविता का कथ्य लिखिए।

(vii) महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा क्यों कहा जाता है ?

(viii) महादेवी के कवित्व पर टिप्पणी कीजिए।

Roll No. ..............................

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 7

(2064)

**M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination**

# 8902

## HINDI

**(आधुनिक हिन्दी कहानी)**

(DSE–1)

**Paper : MHIN–304**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट :-** सभी प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) चन्दनपुर के जमींदार के यहाँ आश्रय लिए हुए योरोपियन दम्पति सब प्रकार सुख से रहने पर भी सिपाहियों का अत्याचार सुनकर शंकित रहते थे। दयालु किशोरसिंह यद्यपि उन्हें बहुत आश्वासन देते, तो भी कोमल प्रकृति की सुंदरी एलिस सदा भयभीत रहती थी।

अथवा

मगर टाइम-टेबिल बनाना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हल्के-हल्के झोंके, फुटबॉल की तरह उछल-कूद, कबड्डी के दाँव-घात, वालीबॉल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता।

(ii) सोचा—यह है हमारी गिरावट की सीमा। आज ऐसा साहित्य बन रहा है जिसमें व्यभिचार के लिए सफाई दी जाती है। यह साहित्य हमारी संस्कृति का आधार बनेगा। हमारा जीवन कितना छिछला और संकीर्ण होता चला जा रहा है। स्वार्थ के बावलेपन की छीना-झपटी और मारोमार हमें बदहवास किए दे रही है। हम अपनी उस मानवता, नैतिकता और स्थिरता को खो चुके हैं जिसका विकास हमारे आत्मद्रष्टा ऋषियों ने संकीर्ण सांसारिकता से मुक्त होकर किया था ?

अथवा

जंगी की पुतोहू बिरजू की माँ से नहीं डरती। वह जरा गला खोलकर कहती है–फुआ-आ! सरबे सित्तलमिंटी (सर्वे सेटलमेंट) के हाकिम के बासा पर फूलछाप किनारी वाली साड़ी पहन के यदि तू भी भेंटी की भेंट चढ़ाती तो तुम्हारे नाम से भी दू-तीन बीघा धनहर जमीन का पर्चा कट जाता। फिर तुम्हारे घर भी आज दस मन सोना बंग पाट होता, जोड़ा बैल खरीदती। फिर आगे नाथ और पीछे सैकड़ों पगहियाँ झूलतीं।

(iii) मानो मालती के भीतर कहीं कुछ चेष्टा कर रहा हो, किसी बीती हुई बात को याद करने की, किसी बिखरे हुए वायुमंडल को पुनः जगाकर गतिमान करने की, किसी टूटे हुए व्यवहार-तन्तु को पुनरुज्जीवित करने की और चेष्टा में सफल न हो रहा हो ............ वैसे जैसे बहुत देर से प्रयोग में न लाए हुए अंग को कोई व्यक्ति एकाएक उठाने लगे और पाए कि वह उठता ही नहीं है, चिर-विस्मृति में मानो मर गया है।

अथवा

"मेरी राय पूछते हो मुखिया जी ? तो सुनो, कर्मनाशा की बाढ़ दुधमुँहे बच्चे और एक अबला की बलि देने से नहीं रुकेगी, उसके लिए तुम्हें पसीना बहाकर बाँधों को ठीक करना होगा ......... कुलदीप कायर हो सकता है, वह अपने बहू-बच्चे को छोड़कर भाग सकता है, किन्तु मैं कायर नहीं हूँ, मेरे जीते-जी बच्चे और उसकी माँ का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता .............. समझे!"

(iv) "सूअर, धोखा देता है ? कह देता, नहीं आऊँगा। अब आज मैं तुमसे दिन-भर काम कराऊँगा, देखें कौन साला रोकता है। आखिर हम भी तो मुहल्ले में रहते हैं कि नहीं।" और सचमुच जंगी ने उससे दिन-भर काम लिया। शिवनाथ बाबू को सब पता लग गया, लेकिन उनकी उदार व्यावहारिक बुद्धि की प्रशंसा किए बिना नहीं रहा जाता, क्योंकि उन्होंने चूँ तक नहीं की।

अथवा

कंकड़ की तरह चुभा श्रवण को। कृपाल पेंट्स में आने के बाद वह भूल ही गया था कि उसने कैसे एम.बी.ए. में दाखिला पाया था। उसके प्रमाणपत्रों की छाया प्रतियाँ दफ्तर में जमा थीं। उन्हें छिपाने या नकारने का मौका भी नहीं ढूँढ़ा उसने ? भूल गया वह अपने उठाए गए अवसर का लाभ। अपनी नजरों में अब वह श्रवण कुमार या सरयूपारीन ब्राह्मण जो अपर्णा दीक्षित की हंसी अपनी जन्मपत्री में लिखवाना चाहता है।

7×4=28[9×4=36]

**नोट** :- निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2. (क) संवेदना और शिल्प की दृष्टि से 'शरणागत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रेमचन्द की चर्चित कहानी 'बड़े भाईसाहब' के पात्र बड़े भाई साहब के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ख) यशपाल द्वारा रचित कहानी 'फूलों का कुरता' के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'लाल पान की बेगम' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) अज्ञेय द्वारा रचित 'रोज' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

**अथवा**

'कर्मनाशा की हार' कहानी की मूल संवेदना का उद्घाटन कीजिए।

(घ) 'जिन्दगी और जोंक' का मुख्य पात्र रजुआ (भिखारी) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

**अथवा**

कथावस्तु की दृष्टि से 'मुखौटा' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

10×4=40[13×4=52]

3. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं छह के उत्तर दीजिए :

(i) योरोपियन-दम्पति ने ठाकुर किशोरसिंह पर क्या उपकार किया ?

(ii) 'बड़े भाई साहब' कहानी में बड़े भाई साहब अम्माँ और दादा की प्रशंसा किस आधार पर करते हैं ?

(iii) 'फूलों का कुरता' के नाकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(iv) 'लाल पान की बेगम' कहानी की तीन-चार भाषागत विशेषताएँ लिखिए।

(v) 'रोज' कहानी की पात्र मालती के जीवन के एक-दो उदास पलों को रेखांकित कीजिए।

(vi) 'कर्मनाशा की हार' कहानी पात्र भैरो पाँडे कुलदीप को क्या शिक्षा देते हैं ?

(vii) 'जिन्दगी और जोंक' कहानी में रजुआ (भिखारी) अपने मरने की खबर क्यों फैलाता है ?

(viii) 'मुखौटा' कहानी का पात्र श्रवण किस अपराध बोध का शिकार बन जाता है ? 2×6=12[2×6=12]

Roll No. ..................................

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 4

(2064)

# M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8903

# HINDI

## (आधुनिक हिन्दी उपन्यास)

(DSE–II)

Paper : MHIN-304

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100

---

1. प्रत्येक खण्ड से **एक** सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य है।

**खण्ड–क**

(i) मैंने तो जो कुछ किया अनजाने में किया, ये लोग जो आग लगा रहे हैं और राह जाते लोगों को मार रहे हैं, ये तो आँखें खोलकर सब काम कर रहे हैं, ये क्यों बुरा करम कर रहे हैं ?

अथवा

कुछ समझा कर शंकर, यह हमारी देश-भक्ति का चिह्न है, इस तरह हम गरीबों के स्तर तक उतर आते हैं। क्या गरीबी में काम करने जाओगे तो पतलून पहनकर जाओगे ? झाड़ू लेकर या खादी पहनकर जाते हो तो लोग तुम्हें अपना समझते हैं।

खण्ड-ख

(ii) कहते हैं कि धीरे-धीरे सब कुछ हो जाएगा, कि धीरे-धीरे अज्ञान दूर होगा, यह आत्मा पर छाया हुआ कुहरा उठ जाएगा। कहते हैं बहुत कुछ; पर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं प्रतीक्षा को युग बीत जाते हैं और कुछ नहीं होता।

अथवा

कुहरा उठ सकता है, परदा भी उठ सकता है; पर दीवार नहीं उठ सकती, उसे फाड़ना ही पड़ता है, गिराना ही पड़ता है, नहीं तो वह नहीं मिटती ....।

खण्ड-ग

(iii) दाई माँ। भैया ने यह क्यों किया ? मैं वहीं चाहती थी दाई माँ, विश्वास करो। मना करने पर उन्होंने ऐसे जोर से थप्पड़ मारा कि ....... दाई माँ। मैं अम्मा से बोलूंगी, जरूर बोलूंगी।

अथवा

कल सट्टे में उसके जूट मिल, कॉटन मिल सब बिक जाएँगे और उसने कैसे पैसे कमाया, क्या मैं नहीं जानता और मैं अपनी दूध परी-सी बेटी उस काले करवे से ब्याई दूँ ? क्या कमी है मेरे घर में ? थोड़ा धन ही तो कम मिलेगा।

## खण्ड-घ

(iv) सुविधाएँ टीक हैं। जरूरी हैं, काम नहीं चलता। आजकल उनके बिना। लेकिन सुविधाएँ अगर हमारी आजादी को गिरवी रख लें तो उन सुविधाओं का सुख सहूलियत मात्र नहीं होता, गुलामी में बदल जाता है।

**अथवा**

जननांग विकलांगता बहुत बड़ा दोष है लेकिन इतना बड़ा भी नहीं कि तुम मान लो कि तुम धड़ का मात्र वही निचला हिस्सा भर हो। मस्तिष्क नहीं हो, दिल नहीं हो, धड़कनं नहीं हो, आँख नहीं हो। तुम्हारे हाथ-पैर नहीं हैं। हैं, हैं, हैं, सन वैसा ही है, जैसे औरों के हैं। यौन सुख लेने-देने से वंचित हो तुम, वात्सल्य सुख से नहीं। सोचो। 4×7=28[4×9=36]

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'तमस' उपन्यास की भाषिक संरचना की तर्कसंगत विवेचना कीजिए।

**अथवा**

'तमस' उपन्यास की आज के संदर्भ में प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) 'शेखर एक जीवनी' भाग-I के औपन्यासिक शिल्प का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

'शेखर एक जीवनी' भाग-I के शेखर की चरित्रगत रूप रेखा को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'छिन्नमस्ता' उपन्यास के आधार पर भारतीय परिवार में नारी की जीवन-अनुभूतियों के चित्रांकन की आवश्यकताओं का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

'छिन्नमस्ता' उपन्यास का नारी विमर्श आन्दोलन के संदर्भ में मूल्यांकन कीजिए।

(घ) 'पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा' उपन्यास के पात्र 'विनोद की दृष्टि में अपनी माँ के मातृत्व की पहचान' विषय पर चर्चा कीजिए।

**अथवा**

'पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा' उपन्यास के माध्यम से किन्नर समाज की जीवन विसंगतियों का विवेचन कीजिए।

4×10=40[4×13=52]

3. निम्नलिखित आठ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **छह** के उत्तर दीजिए :

(i) 'तमस' की लीजा पर टिप्पणी लिखिए।

(ii) 'तमस' के चित्रित दंगों के कारण पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) शेखर एक जीवनी भाग-I की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) शेखर एक जीवनी भाग-I की पात्र योजना पर टिप्पणी लिखिए।

(v) 'छिन्नमस्ता' के उद्देश्य पर टिप्पणी लिखिए।

(vi) 'छिन्नमस्ता' नारी जीवन त्रासदी है। टिप्पणी लिखिए।

(vii) 'पोस्ट बॉक्स सं. नं 203 नाला सोपारा' के एम.एल.ए. पर टिप्पणी लिखिए।

(viii) 'पोस्ट बॉक्स सं. नं 203 नाला सोपारा' के पप्पा पर टिप्पणी लिखिए।

6×2=12[6×2=12]

Roll No. ..................................

Total No. of Questions : **6**] [Total No. of Printed Pages : **7**

**(2064)**

# M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8904

# HINDI

## (आधुनिक हिन्दी नाटक)

(DSE–III)

**Paper : MHIN–304**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट :-** सभी तीनों खण्डों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने दिए गए हैं।

**खण्ड–अ**

1. निम्नलिखित नाट्यांशों का विकल्प-आधार पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) अब जहँ देखहु तहं दुखहि दु:ख दिखाई।

हा हा! भारत दुर्दशा न देखी जाई॥

करि वैदिक जैन दुबाई पुस्तक सारी।
करि कलह बुलाई जवनसैन पुनि भारी॥
तिन नासी बुधि बल विद्या धन बहु बारी।
छाई अब आलस कुमति कलह अंधियारी॥

**अथवा**

दुनिया में हाथ पैर हिलाना नहीं अच्छा।
मर जाना पर उठके कहीं जाना नहीं अच्छा॥
बिस्तर पे मिस्ले लोथ पड़े रहना हमेशा।
बंदर की तरह धूम मचाना नहीं अच्छा॥
रहने दो जमीं पर मुझे आराम यहीं है।
छेड़ो न नक्शेया हैं मिटाना नहीं अच्छा॥

(ii) जनमत जाके रतन धन, बाँटो मोतिन हार,
आज उसी को हो रहा, कफन मिलन दुशबार।
उंगली छुआई आज तक, जिसके कभी नहीं अंग में,
कर बज्र की छाती बहाने जाऊँ उसको गंग में।
मैंने तुझ छोड़ा नहीं तूने मुझे है तज दिया,
मालुम नहीं किस जन्म का बदला है बन बेटा लिया।

अथवा

माता लीलावती के ऐसे वचन सुनकर कन्या कलावती बिना प्रसाद पाये ही पति सूँ मिलन कूँ चल दी। तो फिर याको मतलब का भयो ? सत्यनारायण के प्रसाद की अवहेलना करन के कारण सत्यनाराण भगवान रुष्ट हो गए। कन्या कलावती और उसके पति को धनधान्य एवं नाव सहित नदी में डुबो दिया।

(iii) ठीक किया तुमने। मैं इसी का पात्र था। सत्य और न्याय का पक्ष जानते हुए भी मैं उसके विरोध में लड़ा। अपने ही शिष्यों के विरुद्ध राजकीय अन्न की दासता-समझौते का चरित्र। ठीक किया तुमने। इस समय तुम्हारा झूठ बोलना ही धर्म है। युधिष्ठिर, तुम सच भी बोलते, तो क्या इतिहास झूठ बोलता। अच्छा किया तुमने-अच्छा किया तुमने।

अथवा

अब किस-किस से डरूँ, लीला ? कॉलेज को दूकान की तरह चलाने वाले उस प्रेसिडेंट से ? अँगूठा-छाप कमेटी-मेंबरों से ? चुगली खाने वाले अपने सहयोगियों से ? उस लिजलिजे बेहूदे प्रिंसिपल से ? विद्यार्थियों से ? क्या पूरी उम्र डरते ही रहना होगा ?

(iv) वन अँधेरा

फेन भीगे पदों से

ठुकराते रहे,

शंख शिशु

पैरों तले

किरकिराते रहे।

सिंधु सीने से सटी

उड़ती हुई टिटहरी

चीखा करी।

अथवा

ओ रात्रि की प्रेतात्मा।

ठहरो

उत्तर दो

दशरथी राम को उत्तर दो।

मैं तुम्हें मंत्रों से पाशित कर

इन्हीं आकाशों में थिर कर दूँगा

अनन्त को।

उत्तर दो।

7×4=28[9×4=36]

## खण्ड-ब

**नोट :-** निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2. 'भारत-दुर्दशा' नाटक का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

भारत-दुर्दशा की पात्र-योजना का विवेचन कीजिए।

3. 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' की अभिनेयता की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की अभिनेयता की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

'एक और द्रोणाचार्य' के पात्र अरविन्द का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. 'संशय की एक रात' नाटक के नायकत्व की विवेचना कीजिए।

**अथवा**

'संशय की एक रात' की संवाद-योजना की समीक्षा कीजिए।

10×4=40[13×4=52]

6. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं छः के उत्तर दीजिए :

(i) 'भारत-दुर्दशा' में मदिरा की प्रस्तुति किस रूप में है ?

(ii) 'भादत-दुर्दशा' में कितने अंक हैं ?

(iii) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' किस परिवेश की प्रस्तुति है ?

(iv) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' में 'लौका' की किस प्रकार की भूमिका है ?

(v) "हाँ-हाँ, तू द्रोणाचार्य है। एक और द्रोणाचार्य ! एक और द्रोणाचार्य ! एक और द्रोणाचार्य !"

—'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में किसका कथन है और नाटक किस भाग में है ?

(vi) द्रोणाचार्य और युधिष्ठिर का 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में क्या सम्बन्ध है ?

(vii) 'संशय की एक रात' नाटक के किस अंक के प्रारम्भ में राम कहते हैं–"मुझे प्रश्नों शपथों में घिरा छोड़ चला गया लक्ष्मण चला गया।"

(viii) "युद्ध

मंत्रणा नहीं

एक दर्शन है, राम!"–

'संशय की एक रात' नाटक में किसका कथन है ?

2×6=12[2×6=12]

Roll No. ..................................

Total No. of Questions : 3] [Total No. of Printed Pages : 8

(2064)

## M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination

# 8905

## HINDI

### (आधुनिक हिन्दी कविता)

(DSE–IV)

**Paper : MHIN–304**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट** :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) अवध को अपनाकर त्याग से,
वन तपोवन-सा प्रभु ने किया।
भरत ने उनके अनुराग से,
भवन में वन का व्रत ले लिया।
स्वामि-सहित सीता ने
नन्दन माना सघन-गहन कानन भी,

वन उर्मिला बधू ने
किया उन्हीं के हितार्थ निज उपवन भी।

अथवा

क्या क्या होगा साथ, मैं क्या बताऊँ ?
है ही क्या, हा! आज जो मैं जताऊँ ?
तो भी तूली, पुस्तिका और वीणा,
चौथी मैं हूँ, पाँचवीं तू प्रवीणा।
हुआ एक दुःस्वप्न-सा सखि, कैसा उत्पात
जगने पर भी वह बना वैसा ही दिन-रात!

(ii) अजगरों से भरे जंगल
अगम, गति से परे जंगल,
सात-सात पहाड़ वाले,
बड़े-छोटे झाड़ वाले,
शेर वाले बाघ वाले,
गरज और दहाड़ वाले,
कंप से कनकते जंगल,
नींद में डूबे हुए-से
ऊँघते अनमने जंगल।

## आघात

दस्तक
आदमी की आवाज़ में
बोला
स्वागत में मैं
अपना दरवाज़ा
खोला
और दरवाज़ा
खोलते ही समझा
कि देर हो गई
मानवता
थोड़ी बहुत जितनी भी थी
ढेर हो गई।

(iii) और बसन्त फिर आ रहा है

शाकुन्तल का एक पन्ना

मेरी अलमारी से निकलकर

हवा में फरफरा रहा है

फरफरा रहा है कि मैं उड़ूँ

और आस-पास फैली हुई चीजों के कानों में

कह दूँ 'ना'

एक दृढ़

और छोटी-सी 'ना'

जो सारी आवाजों के विरुद्ध

मेरी छाती में सुरक्षित है

**अथवा**

फिर डूब जाता है सूरज

कहीं से आती हैं

पानी पर तैरती हुई
लोगों के बोलने की तेज आवाजें
कहीं से उठता है धुआँ
पेड़ों पर मंडराता हुआ
और पानी में घिरे हुए लोग
हो जाते हैं बेचैन

(iv) एक आदमी रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है
वह सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ–
'यह तीसरा आदमी कौन है ?'
मेरे देश की संसद मौन है।

अथवा

राँपी से उठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण-भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाये हुए स्वर में
वह हँसते हुए बोला
बाबूजी सच कहूँ—मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मरे सामने
मरम्मत के लिए खड़ा है।

7×4=28[9×4=36]

**नोट :-** निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2. (क) 'साकेत' के नवम सर्ग की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'साकेत' के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सतपुड़ा के जंगल' कविता की केन्द्रीय संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'दरिंदा' कविता के साहित्यिक वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।

(ग) 'पानी में घिरे हुए लोग' कविता के भाव-पक्ष की व्याख्या कीजिए।

अथवा

'बसंत' कविता की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'पटकथा' कविता के साहित्यिक निहितार्थ को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'एक आदमी' कविता की समीक्षा कीजिए।

10×4=40[13×4=52]

3. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के उत्तर दीजिए :

(i) 'साकेत' में मैथिलीशरण गुप्त जी ने किन-किन ऋतुओं का वर्णन किया है ?

(ii) सामाजिक दृष्टि से 'रोटी' कविता का क्या महत्व है ?

(iii) भवानी प्रसाद मिश्र की **दो** प्रमुख रचनाओं के नाम बताइए।

(iv) 'साकेत' के नवम सर्ग की **दो** प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(v) 'संसद से सड़क तक' का प्रकाशन काल क्या है ?

(vi) भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म कहाँ हुआ था ?

(vii) केदारनाथ सिंह के काव्य की **दो** प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(viii) धूमिल की 'नक्सलबाड़ी' कविता किस पत्रिका में छपी थी ?

2×6=12[2×6=12]

Roll No. ...............................

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2064)

**M.A. (CBCS) IIIrd Semester Examination**

# 8906

## HINDI

**(हिन्दी साहित्य एवं पर्यावरण)**

(AEC)

**Paper : MHIN-305**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : { Regular : 80, Private : 100**

---

**नोट** :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आलोचनात्मक **प्रश्न**

1. पर्यावरण शिक्षा के सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

**अथवा**

पर्यावरण संरक्षा के उपायों पर प्रकाश डालिए।

2. साहित्य पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका किस प्रकार निभाता है ? स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

पर्यावरण और साहित्य के सह-सम्बन्धों का विश्लेषण कीजिए।

3. पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य में मैथिलीशरण गुप्त की 'पंचवटी' कविता का मूल्यांकन कीजिए।

**अथवा**

रघुवीर सहाय की 'पानी पानी' शीर्षक कविता के कथ्य का विश्लेषण कीजिए।

4. 'मलबे का मालिक' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'आभी' कहानी मूलतः किस पर्यावरण समस्या पर आधारित है ? स्पष्ट कीजिए। 4×15=60[4×20=80]

## अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

5. किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) पर्यावरण को परिभाषित कीजिए।

(ii) सामाजिक या मानवनिर्मित पर्यावरण से क्या आशय है ?

(iii) पर्यावरण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता क्यों आवश्यक है ?

(iv) साहित्य का लक्ष्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(v) वन्य जीवों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ? बताइए।

(vi) "जल ही जीवन है।" इस कथन का क्या अर्थ है ?

(vii) "है बिखेर देती वसुंधरा, मोती, सबके सोने पर,

रवि बटोर लेता है उनको, सदा सबेरा होने पर।"

इन पंक्तियों में निहित सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए।

(viii) 'धूप' कविता के कलागत सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ix) 'सुबह से शाम तक' कविता का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

(x) 'पूस की रात' कहानी का मुख्य पात्र कौन है ?

(xi) 'मलबे का मालिक' कहानी में अपना मकान देखने लाहौर से अमृतसर कौन आता है ?

(xii) आभी चिड़िया इंसानों से क्यों डरने लगी है ?

10×2=20[10×2=20]